मुंशी प्रेमचंद जयंती
31 जुलाई 2025

आज दिनांक 31 जुलाई को महाविद्यालय के हिंदी विभाग में हिंदी के महान उपन्यासकार व संवेदनशील रचनाकार, कलम के सिपाही मुंशी प्रेमचंद जी के जयंती का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती पूजन एवं वंदन से किया हुआ। मुंशी प्रेमचंद जी के तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। उद्बोधन की कड़ी में डॉ. चंद्रिका चौधरी (सहा. प्राध्यापक हिंदी) द्वारा मुंशी प्रेमचंद जी साहित्य एवं उनके संवेदनशील रचनाओं पर प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई जी द्वारा मुंशी प्रेमचंद जी साहित्य के भावपक्ष एवं कलापक्ष की प्रामाणिकता एवं प्रसिद्धि को पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद जी को समझने के लिए उनके पात्रों को समझना अनिवार्य है। प्रेमचंद जी के विचार गतिशील हैं। प्रेमचंद जी का साहित्य हमेशा प्रासंगिक रहेगा। इसके पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा बारी-बारी से प्रेमचंद जी के साहित्य के विविध पक्षों एवं रचनाओं के बारे में विचार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन कु. शिल्पा साहू (एम.ए. हिंदी तृतीय सेमेस्टर) ने किया।

डॉ. चंद्रिका चौधरी
श्री अखिल कुमार
श्रीमती आरती साहू

प्राचार्य
PRINCIPAL
Late Raja Virendra Bahadur Singh
Govt. College Saraipali (C.G.)

छात्र/छात्राओं के हस्ताक्षर :-

तवली नंदे
मोती साहू
उमेश केंवट
Dinita Patel
Anita Rathe
Prabhat
Kaushalya
Ujala Swain
Saroj Nishad

मुंशी प्रेमचंद

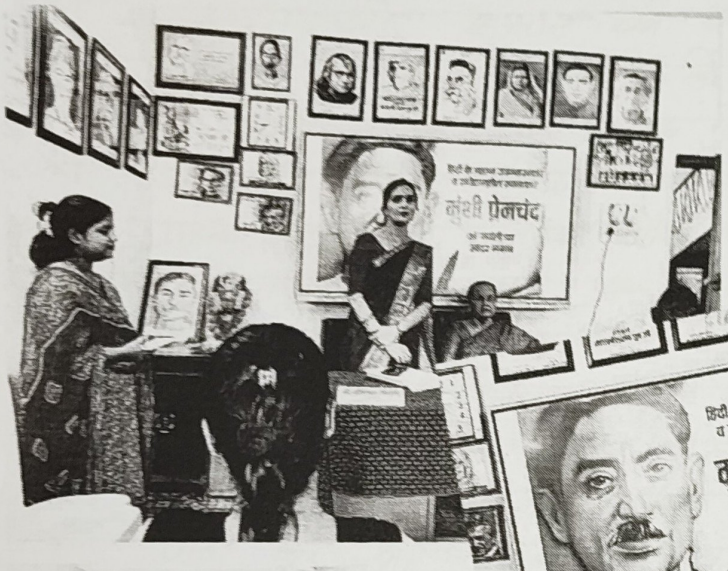
मुंशी प्रेमचंद

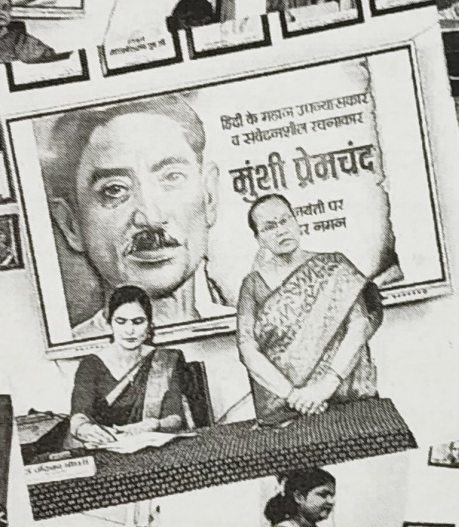
हिंदी के महान उपन्यास सम्राट
व संवेदनशील रचनाकार
मुंशी प्रेमचंद

मुंशी प्रेमचंद

GPS Map Camera
Harratar, Chhattisgarh, India
6x6J+p82, Harratar, Chhattisgarh 493558, India
Lat 21.311743° Long 82.980319°
31/07/2025 11:58 AM GMT +05:30
Google

मुंशी प्रेमचंद

हिंदी दिवस

दिनांक - 16/09/2025

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस बड़े उत्साह और गंभीरता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर कु. तोषी साहू ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान की धरोहर है। उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं का भी संरक्षण आवश्यक है, क्योंकि हर भाषा में हमारी सभ्यता और लोकजीवन की झलक मिलती है। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने हिंदी साहित्य की विविधता और व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी साहित्य में आमजन के जीवन, संघर्ष और भावनाओं का सजीव चित्रण मिलता है। आज की युवा पीढ़ी को हिंदी की समृद्ध परंपरा को आधुनिक संदर्भों में जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कवि केदारनाथ अग्रवाल की कविता का पाठ कर श्रोताओं को जीवन के प्रति संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। विविध कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और हिंदी भाषा के प्रति प्रेम का परिचय दिया। कविता पाठ में मेघा दास (एमएससी. रसायनशास्त्र) रीना साव (बी.ए. भाग तीन), एवं भाग्यश्री अंचल (बी.ए. भाग-तीन) ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को प्रभावित किया। स्नातकोत्तर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों तथा पीएचडी शोधार्थियों ने हिंदी साहित्यकारों की प्रमुख उक्तियों को उद्धृत करते हुए हिंदी की प्रासंगिकता और उसके योगदान पर विचार अभिव्यक्ति की। उनके विचारों में यह संदेश स्पष्ट था कि हिंदी केवल संपर्क भाषा नहीं, बल्कि विचारों, भावनाओं और राष्ट्रीय एकता की भाषा है। कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर हिंदी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. शिल्पा साहू ने सफलतापूर्वक किया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक श्री अनिल कुमार एवं श्रीमती आरती साहू एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सार्थक और प्रेरणादायी बना दिया।

विभागाध्यक्ष

डॉ. चंद्रिका चौधरी

प्रो. अनिल कुमार

श्रीमती आरती साहू

प्राचार्य

PRINCIPAL
Late Raja Virendra Bahadur Singh
Govt. College Saraipali (C.G.)

छात्र/छात्राओं के हस्ताक्षर -

मनीष दीप

Saroj Nishad

Kanchan

लवली नंद

कुसुम प्रधान

ज्वाला खर्रे

तारा प्रधान

प्रेमास्य बिछाल

उमेश केंवर्त

तोषी साहू

सीखा बारिक

अलिशा प्रधान

चंद्रिका सिदार

Dipika Sahu

भाग्यश्री अंचल

रीना साव

Megha Dash

नवभारत

न्यूज डायरी

महाविद्यालय में मनाया हिंदी दिवस

सरायपाली। स्व. राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय सरायपाली में हिंदी विभाग के द्वारा हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई। तोषी साहू ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान की धरोहर है। उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं का भी संरक्षण आवश्यक है, क्योंकि हर भाषा में हमारी सभ्यता और लोकजीवन की झलक मिलती है। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने हिंदी साहित्य की विविधता और व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए आज की युवा पीढ़ी को हिंदी की समृद्ध परंपरा को आधुनिक संदर्भों में जोड़ने का प्रयास करने की बात कही। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय के पुस्तकालय के लिए अपनी दो किताबों- छत्तीसगढ़ के कहानीकारों की चुनिंदा कहानियाँ और किसान विमर्श के विविध आयाम को भेंट स्वरूप प्राचार्य डॉ. भोई के सुपुर्द किया। विविध कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा और हिंदी भाषा के प्रति प्रेम का परिचय दिया। कविता पाठ में मेघा दास (एम.एससी. रसायन शास्त्र), रीना साव (बी.ए. तृतीय वर्ष) एवं भाग्यश्री अंचल (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को प्रभावित किया। स्नातकोत्तर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों तथा पीएचडी शोधार्थियों ने हिंदी साहित्यकारों की प्रमुख उक्तियों को उद्धृत करते हुए हिंदी की प्रासंगिकता और उसके योगदान पर विचार अभिव्यक्ति की। कार्यक्रम का संचालन छात्रा शिल्पा साहू ने किया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक अनिल कुमार, श्रीमती आरती साहू एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही।

शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस

हरिभूमि न्यूज ›› सरायपाली

वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस बड़े उत्साह और गंभीरता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर तेजी साहू ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान की धरोहर है। उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि हिंदी के साथ साथ अन्य भारतीय भाषाओं का भी संरक्षण आवश्यक है। क्योंकि हर भाषा में हमारी सभ्यता और लोकजीवन की झलक मिलती है। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने हिंदी साहित्य की विविधता और व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी साहित्य में आमजन के जीवन, संघर्ष और भावनाओं का सजीव चित्रण मिलता है। आज की युवा पीढ़ी को हिंदी की समृद्ध परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कवि केदारनाथ अग्रवाल की कविता का पाठ कर श्रोताओं को जीवन के प्रति संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डॉ. चंद्रिका चौधरी ने महाविद्यालय के पुस्तकालय के लिए अपनी दो किताबें छत्तीसगढ़ के कहानीकारों की चुनिंदा कहानियां, और किन्नर विमर्श के विविध आयाम को सप्रेम भेंट स्वरूप प्राचार्य डॉ. संध्या भोई को सुपुर्द किया। विभिन्न कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और हिंदी भाषा के प्रति प्रेम का परिचय दिया। कविता पाठ में मेघा दास (एमएससी रसायन शास्त्र), गीता साव (बीए तृतीय वर्ष) एवं भाग्यश्री अंचल (बीए तृतीय वर्ष) ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को प्रभावित किया। स्नातकोत्तर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों तथा पीएचडी शोधार्थियों ने हिंदी साहित्यकारों की प्रमुख पंक्तियों को उद्धृत करते हुए हिंदी की प्रासंगिकता और उसके संवर्धन पर विचार अभिव्यक्त की। उनके विचारों में यह संदेश स्पष्ट था कि हिंदी केवल संपर्क भाषा नहीं, बल्कि विचारों, भावनाओं और राष्ट्रीय एकता की भाषा है। कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर हिंदी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा शिल्पा साहू ने किया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक अखिल कुमार एवं आरती साहू एवं विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

स्व. राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया 'हिंदी दिवस'

[illegible] संवाददाता ›› सरायपाली

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस बड़े उत्साह और गंभीरता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'माँ सरस्वती' के पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर कु. तेजी साहू ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान की धरोहर है। उन्होंने छात्रों को यह संदेश दिया कि हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं का भी संरक्षण आवश्यक है, क्योंकि हर भाषा में हमारी सभ्यता और लोकजीवन की झलक मिलती है। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने हिंदी साहित्य की विविधता और व्यापकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी साहित्य में आमजन के जीवन, संघर्ष और भावनाओं का सजीव चित्रण मिलता है। युवा पीढ़ी को हिंदी की समृद्ध परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कवि केदारनाथ अग्रवाल की कविता का पाठ कर श्रोताओं को जीवन के प्रति संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डॉ. चंद्रिका चौधरी ने महाविद्यालय के पुस्तकालय के लिए अपनी दो किताबें छत्तीसगढ़ के कहानीकारों की चुनिंदा कहानियाँ, और किन्नर विमर्श के विविध आयाम को सप्रेम भेंट स्वरूप प्राचार्य डॉ. संध्या भोई को सुपुर्द किया। विविध कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और हिंदी भाषा के प्रति प्रेम का परिचय दिया। कविता पाठ में मेघा दास (एम.एससी. रसायन शास्त्र), गीता साव (बी.ए. तृतीय वर्ष) एवं भाग्यश्री अंचल (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को प्रभावित किया। स्नातकोत्तर प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों तथा पीएचडी शोधार्थियों ने हिंदी साहित्यकारों की प्रमुख पंक्तियों को उद्धृत करते हुए हिंदी की प्रासंगिकता और उसके संवर्धन पर विचार अभिव्यक्त की। उनके विचारों में यह संदेश स्पष्ट था कि हिंदी केवल संपर्क भाषा नहीं, बल्कि विचारों, भावनाओं और राष्ट्रीय एकता की भाषा है। कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर हिंदी तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. शिल्पा साहू ने सफलतापूर्वक किया।

हिंदी साहित्य परिषद् का गठन

दिनांक - 16/09/2025

स्व. राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली के हिंदी में सत्र 2025-26 हेतु हिंदी साहित्य परिषद् का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस परिषद् का उद्देश्य छात्रों हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढ़ाना, सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन करना, भाषा - संवर्धन और साहित्यिक परंपराओं को जीवित रखना है। साथ ही यह परिषद् विद्यार्थियों को वाक्शक्ति, सृजनशीलता एवं संगठन क्षमता के विकास का अवसर प्रदान करती है।

कार्यक्रम का शुभारंभ 'माँ सरस्वती' के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात् चयनित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई द्वारा परिषद् की शपथ दिलाई गई।

चयनित पदाधिकारी :-

अध्यक्ष - अनिषा प्रधान - (एम.ए.-III सेम.)
उपाध्यक्ष - उजाला रवाई - (एम.ए.-I सेम.)
सचिव - सीता पटेल (एम.ए.-III सेम.)
सह-सचिव - रीना साव (बी.ए.-III)
कोषाध्यक्ष - अशोक बरिहा (एम.ए.-III सेम.)
सांस्कृतिक प्रभारी - सुशीला साहू (एम.ए.-III सेम.)
साहित्यिक प्रभारी - चंद्रिका सिदार (एम.ए.-III सेम.)

कार्यकारिणी सदस्य :-

1. प्रभात सिंह सिदार (एम.ए.-I सेम.)
2. सरोज निषाद (एम.ए.-I सेम.)
3. रीतु साव (एम.ए. III सेम.)
4. कौशल्या पटेल (एम.ए.-III सेम.)
5. दुर्गे कुमार (एम.ए.-2 सेमेस्टर)
6. अंकिता देहरी (बी.ए.-1 सेमेस्टर)
7. अविनाश दास (बी.ए.-III सेमेस्टर)
8. अंजली नायक (बी.ए.-III सेमेस्टर)
9. चुणामणी पटेल (बी.ए.-III)
10. जसमिता रवाई (बी.ए.-III)

उद्बोधन के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ. संध्या भोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी साहित्य परिषद् छात्रों की साहित्यिक चेतना, रचनात्मकता, अभिरुचि और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने परिषद् से अपेक्षा की कि यह पूरे सत्र में वाद-विवाद, काव्य पाठ, निबंध लेखन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्रों के व्यक्तित्व विकास में योगदान देगा। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने परिषद् को हिंदी साहित्य और समाज के बीच सेतु बताते हुए कहा कि यह परिषद् विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा से जोड़ेगी और उनमें सामाजिक संवेदनशीलता का विकास करेगी। श्री अनिल कुमार ने कहा कि परिषद् विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का अवसर है, वहीं श्रीमती आरती साहू ने इसे आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति का मंच बताया। सभारोह का संचालन श्री अनिल कुमार ने किया। अंत में सभी चयनित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने परिषद् की गरिमा बनाए रखने और साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को सक्रिय बनाने का संकल्प लिया।

विभागाध्यक्ष
डॉ० चंद्रिका चौधरी
श्री अनिल कुमार गण्डी
श्रीमती आरती साहू

प्राचार्य
PRINCIPAL
Late Raja Virendra Bahadur Singh
Govt. College Saraipali (C.G.)

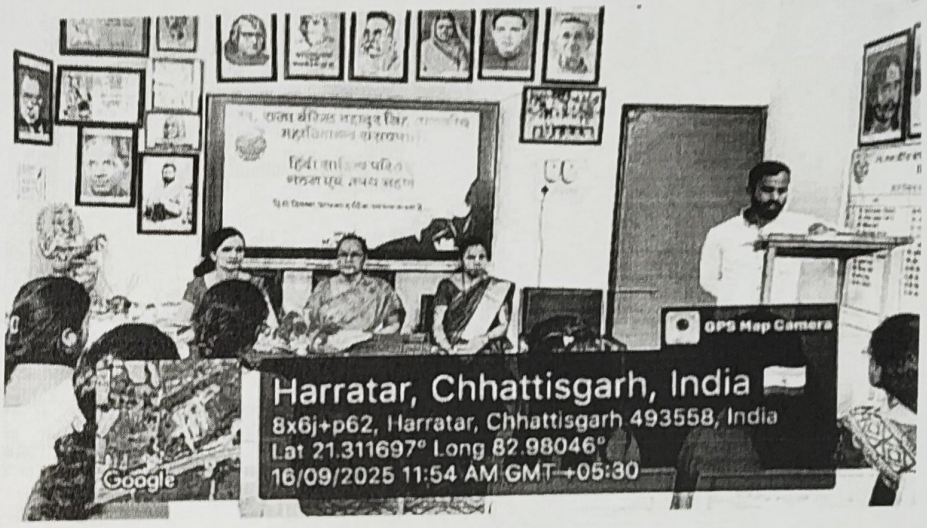

कॉलेज में हिंदी साहित्य परिषद का गठन

सरायपाली। वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2025-26 के लिए हिंदी साहित्य परिषद का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस परिषद का उद्देश्य छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढ़ाना, सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन करना, भाषा-संवर्धन और साहित्यिक परंपराओं को जीवित रखना है। साथ ही यह परिषद विद्यार्थियों को वाक्शक्ति, सृजनशीलता एवं संगठन क्षमता के विकास का अवसर प्रदान करती है। चयनित पदाधिकारियों को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ संध्या भोई द्वारा परिषद की शपथ दिलाई गई। चयनित पदाधिकारियों अध्यक्ष अलिपा प्रधान एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, उपाध्यक्ष उजाला स्वाई एमए हिंदी प्रथम सेमेस्टर, सचिव रीता पटेल एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, सहसचिव रीना सहु बीए भाग तीन, कोषाध्यक्ष अशोक बरिहा एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, सांस्कृतिक प्रभारी शिल्पा साहू एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, साहित्यिक प्रभारी चंद्रिका सिदार एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रभात सिंह सिदार (एमए प्रथम सेम.), सरोज निषाद

(एमए प्रथम सेम.), ऋतु सहु (एमए तृतीय सेम.), कौशल्या पटेल (एमए तृतीय सेम.), दुर्गे कुमार (बीए प्रथम सेम.), अंकिता छुरी (बीए प्रथम सेम.), अविनाश दास (बीए तृतीय सेम.), अंजली नायक (बीए तृतीय सेम.), चूड़ामणि पटेल (बीए भाग तीन), जयमिता स्वाई (बीए भाग तीन) का चयन किया गया। प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी साहित्य परिषद छात्रों की साहित्यिक चेतना, रचनात्मक अभिरुचि और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने परिषद से अपेक्षा की कि यह पूरे सत्र में वाद-विवाद, काव्यपाठ, निबंध, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्रों के व्यक्तित्व विकास में योगदान देगा। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने परिषद को हिंदी साहित्य और समाज के बीच सेतु बताते हुए कहा कि यह परिषद विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा से जोड़ेगी और उनमें सामाजिक संवेदनशीलता का विकास करेगी। अनिल कुमार ने कहा कि परिषद विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का अवसर है। वहीं आरती साहू ने इसे आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति का मंच बताया।

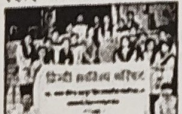

कॉलेज में हिंदी साहित्य परिषद का गठन

सरायपाली। वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2025-26 के लिए हिंदी साहित्य परिषद का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस परिषद का उद्देश्य छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढ़ाना, सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन करना, भाषा संवर्धन और साहित्यिक परंपराओं को जीवित रखना है। साथ ही यह परिषद विद्यार्थियों को नेतृत्व, सृजनशीलता एवं संगठन क्षमता के विकास का अवसर प्रदान करती है। परिषद पदाधिकारियों को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ संध्या भोई द्वारा परिषद की शपथ दिलाई गई। चयनित पदाधिकारियों अध्यक्ष अंकिता प्रधान एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, उपाध्यक्ष उज्ज्वला स्वाई एमए हिंदी प्रथम सेमेस्टर, सचिव राम पटेल एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, सहसचिव गीता साव बीए भाग तीन, कोषाध्यक्ष अशोक पटेल एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, सांस्कृतिक प्रभारी शिल्पा साहू एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर, साहित्यिक प्रभारी चंद्रिका सिदार एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रभात सिंह सिदार (एमए प्रथम सेम.), सरोज निषाद

(एमए प्रथम सेम.), मनु महर (एमए तृतीय सेम.), कौशल्या पटेल (एमए तृतीय सेम.), दुर्गे कुमार (बीए प्रथम सेम.), अंकिता [illegible] (बीए प्रथम सेम.), अंकिता दास (बीए तृतीय सेम.), अंजली नायक (बीए तृतीय सेम.), पुष्पांजलि पटेल (बीए भाग तीन), जागेश्वर स्वाई (बीए भाग तीन) का चयन किया गया। प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी साहित्य परिषद छात्रों की साहित्यिक चेतना, रचनात्मक अभिरुचि और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने परिषद से अपेक्षा की कि यह पूरे सत्र में वाद-विवाद, काव्यपाठ, निबंध, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्रों के सर्वांगीण विकास में योगदान देगा। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने परिषद को हिंदी साहित्य और समाज के बीच सेतु बताते हुए कहा कि यह परिषद विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा से जोड़ेगी और उनमें समसामयिक संवेदनशीलता का विकास करेगी। अनिल कुमार ने कहा कि परिषद विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का अवसर है। वहीं आरती साहू ने इसे आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति का मंच बताया।

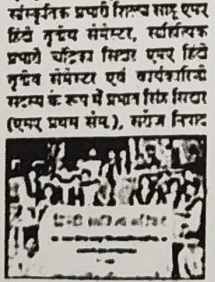

हिंदी साहित्य परिषद के सदस्यों ने ली शपथ

राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह कॉलेज में गठित हुई हिंदी साहित्य परिषद के सदस्य। • [illegible]

महासमुंद (पि)। सरायपाली : राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली के हिंदी विभाग में सत्र 2025-26 हेतु हिंदी साहित्य परिषद का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस परिषद का मुख्य उद्देश्य छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन करना, भाषा संवर्धन करना और साहित्यिक परंपराओं को जीवित रखना है। यह परिषद विद्यार्थियों को नेतृत्व, सृजनशीलता एवं संगठन क्षमता के विकास का अवसर भी प्रदान करती है।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या भोई ने चयनित पदाधिकारियों को परिषद की शपथ दिलाई। परिषद पदाधिकारियों में अध्यक्ष अंकिता प्रधान (एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर), उपाध्यक्ष उज्ज्वला स्वाई (एमए हिंदी प्रथम सेमेस्टर), सचिव राम पटेल (एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर), सहसचिव गीता साव (बीए भाग तीन), कोषाध्यक्ष अशोक पटेल (एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर), सांस्कृतिक प्रभारी शिल्पा साहू (एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर), साहित्यिक प्रभारी चंद्रिका सिदार (एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर) और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अन्य विद्यार्थियों का चयन किया गया।

उद्बोधन में डॉ. संध्या भोई ने कहा कि हिंदी साहित्य परिषद छात्रों की साहित्यिक चेतना और रचनात्मक अभिरुचि को विकसित करने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने परिषद से अपेक्षा की कि वह पूरे सत्र में वाद-विवाद, काव्यपाठ, निबंध, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्रों के सर्वांगीण विकास में योगदान देगी। सहायक प्राध्यापक डॉ. चंद्रिका चौधरी ने परिषद को हिंदी साहित्य और समाज के बीच सेतु बताया।

समारोह का संचालन अनिल कुमार ने किया। अंत में सभी चयनित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने परिषद को सक्रिय बनाए रखने और साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को सफल बनाने का संकल्प लिया।